खबर संक्षेप

रोजगार मेले में 36 अभ्यर्थी चयनित

शहडोल। शासकीय आईटीआई शहडोल के परिषर में युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में संभाग भर के अभ्यार्थी शामिल हुए तथा रोजगार पाने के लिए मेले में आई विभिन्न कंपनियों में आवेदन किया एवं साक्षात्कार भी दिया। रोजगार मेले में बीएफएन फोर्जिंग्स प्राइवेट लिमिटेड बोईसर पालधर महाराष्ट्र, मदरसन समी वायरिंग इंडिया लिमिटेड अहमदाबाद गुजरात, केस कॉर्प लिमिटेड देवास मध्यप्रदेश, ट्राईटेंड ग्रुप यार्न युनिट बुधनी होशंगाबाद, भारतीय जीवन बीमा निगम शहडोल, प्रगतिशील बायोटेक रीवा मध्यप्रदेश की कम्पनियां शामिल रहीं। रोजगार मेले में कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 36 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

अवैध रेत परिवहन करते वाहन धराया

शहडोल। सहायक खनिज अधिकारी राहुल सांडिल ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण पर कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु समयलाल गुप्ता, प्रभारी खनिज निरीक्षक, शहडोल द्वारा 14 मई को ग्राम बिरूहली तहसील जैतपुर के बुढार थाना अंतर्गत ट्रैक्टर को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते पाया गया, जिसमें खनिज नियमों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा दिव्यांशी 95 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के गुड शेपर्ड कन्वेंट में अध्यनरत छात्रा दिव्यांशी मरावी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10 वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। दिव्यांशी की इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार में हर्ष की लहर है। उनकी इस सफलता का श्रेय वह नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास, माता-पिता के आशीर्वाद तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन को देती हैं। दिव्यांशी मरावी ने कहा कि मैं आईएएस बनना चाहती हूं, जिसके लिए अभी से तैयारी भी शुरू कर दी हूं। विद्यालय के प्राचार्य ने दिव्यांशी को बधाई देते हुए कहा कि वह अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। दिव्यांशी के पिता अशोक मरावी ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि यह उसकी कठिन मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। दिव्यांशी की इस उपलब्धि से यह सिद्ध होता है कि समर्पण और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। समाज में बेटियों की यह सफलता एक सकारात्मक संदेश देती है। दिव्यांशी मरावी के पिता अशोक मरावी जनपद पंचायत जय सिंहनगर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ है।

20 मई से विश्वविद्यालय में स्नातक फाइनल वर्ष की परीक्षाएं

शहड़ोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम. एवं बी.पी.ई.एस. जैसे स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष की वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन 20 मई 2025 से 05 जून 2025 तक किया जाएगा। विशेष बात यह है कि परीक्षाएं विश्वविद्यालय के दोनों परिसरो, मुख्य परिसर एवं उपपरिसर में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक के अनुसार सभी विषयों की तैयारी पूर्ण हो चुकी है तथा समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। परीक्षार्थियों को समय पर प्रवेश पत्र प्राप्त करने तथा परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पूर्व उपस्थित होने की सलाह दी गई है।

विकास के नाम पर चल रहा सीवर लाईन लाईन का मंथर कार्य

बरसात में फिर नरकीय जीवन जीने को मजबूर होंगे वार्डवासी

वोट लेने के बाद गायब जनप्रतिनिधि, आमजन परेशान

शहडोल। वोट लेने के लिए जनता के हर सुख-दुख में साथ निभाने की कसम खाने वाले नेता चुनाव जीतने के बाद से ही गायब हैं। स्थानीय पार्षद, विधायक, सांसद को सीवर लाईन से आमजनों को होने वाली समस्या से कोई सरोकार नहीं है, दूसरी ओर वातानुकूलित मीटिंग हॉल में बैठकर योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन करवाने वाले नौकरशाहों को जब संभागीय मुख्यालय की समस्या नजर नहीं आ रही है तो, दूर-दराज की समस्या पर वह कितने संजीदा होंगे।

नगर विकास की कड़ी में सीवर लाइन का काम काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन यही काम विराट नगर के लोगों के लिए अब आफत बन चुका है, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों को नागरिकों की समस्या से कोई लेना-देना नहीं रह गया है, कमिश्नर बंगले से झूला पुल तक सडक़ की हालत इतनी जर्जर है कि इससे अच्छी ग्राम पंचायत की सडक़ नजर आती है, सीवर पाइप लाइन बिछाने के पूरे कार्य में केवल मशीनें और वर्कर ही दिखाई पड़ते हैं। सुबह

से लेकर शाम तक केवल गड्ढा खोदना और चेम्बर बनाने का काम किया जाता है। इस दौरान कार्य की प्रगति देखने और कार्य का तकनीकी अवलोकन करने वाले इंजीनियर और सुपरवाइजर कभी दिखाई नहीं पड़ते हैं।

फिर नरकीय जीवन की आहट

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट जैसी बड़ी कम्पनी में भी शायद कर्मचारियों का खासतौर पर तकनीकी कर्मचारियों का टोटा है। कंसल्टेंट लेकर काम शुरू कराने के बाद अब कोई मौके पर काम देखने नहीं जाता है। कंपनियां भी अपने पास पर्याप्त अमला दर्शाकर काम ले लेती हैं और फिर फील्ड में घिसटती रहतीं हैं। संभागीय मुख्यालय में लोगों का जीना दुश्वार है, उनकी असुविधा का हाल वही जान सकता है, जो वहां मौका मुआयना करने जाएगा। बीते दिनों चर्चा हुई थी झूला पुल वाले मार्ग का ठेका हो गया है, जल्द काम शुरू होगा, हालाकि काम तो जल्द शुरू नहीं हो सका, लेकिन जल्द बरसात शुरू हो जायेगी, जिसके बाद लोगों को एक बार फिर नरकीय जीवन जीने को मजबूर होना पड़ेगा।

मेन स्टेशन रोड का क्या होगा?

नगर में कुल 225 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया जाना था। ठेका कंपनी ने अबतक वार्ड की सडक़ों पर ही लाइन बिछाई है। संभागीय मुख्यालय की मुख्य सडक़ों पर अब तक सीवर काम शुरू नहीं हो सका है, जिसमें मार्केट एरिया और मेन स्टेशन रोड है। शहर के मार्केट एरिया में अभी सीवर लाइन बिछाने का कार्य बाकी है। विभागीय जानकारी के अनुसार मार्केट एरिया में लाइन बिछाने का डिजाइन चेंज किया गया है। बीते वर्ष बारिश बंद होने व त्यौहार समाप्त होने के बाद ठेका कंपनी मार्केट एरिया में लाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ करना था, लेकिन यहां भी शिथिलता दिखलाई पड़ रही है।

एक्सटेंशन के बाद भी संशय

सीवर लाइन बिछाने वाली कंपनी को अब दूसरी बार एक्सटेंशन मिला है। लेकिन काम की गति देखकर ऐसा नही लगता है कि दूसरी अवधि में भी कार्य पूर्ण हो पाएगा। पहली बार में दिसंबर 2024 तक काम पूर्ण करना था। दूसरी बार सीवर लाइन बिछाने वाली ठेका कंपनी को 31 मई 2025 तक के लिए एक्सटेंशन दिया गया था। 15 दिन की अवधि में ठेका कंपनी कार्य कर ले यह संभव नहीं है। ठेका कंपनी की लापरवाही व कार्य की धीमी रफ्तार के कारण नगर में अब भी कई किलोमीटर से अधिक सीवर लाइन बिछाने का कार्य बाकी है। पुरानी बस्ती में 2 किमी पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। नगर के अधिकांश वार्डों में लाइन बिछाने के बाद आज भी सडक़ दुर्दशा के आंशू बहा रही है, जिससे आने वाले दिनों में होने वाली बारिश में एक बार फिर दलदल की स्थिति निर्मित होगी।

डेंगू बीमारी की रोकथाम के लिए समन्वित प्रयास जरूरी

जिला चिकित्सालय में निःशुल्क जांच

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर कार्यशाला का किया गया आयोजन

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशन तथा जिला मलेरिया अधिकारी हनुमान प्रसाद नामदेव के अगुवाई में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के आईपीपी सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे जिला मलेरिया अधिकारी ने कहा कि डेंगू बिमारी मादा एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू बिमारी की रोकथाम के लिए समन्वित प्रयास करें। इसके प्रचार प्रसार एवं रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देखें, साफ करें, ढकें और डेंगू को हराने का उपाय करें यह मूल मंत्र है। डेंगू के सामान्य लदाग के बारे में जाने और लोगों को साफ-सफाई एवं स्वच्छता के साथ डेंगू के लक्षण के बारे में जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को लगातार 2 से 7 दिन तक बुखार आना, तेज सिर दर्द, जोड़ों में दर्द, आँखों के आस-पास दर्द होना डेंगू के सम्भावित लक्षण है। डेंगू की जांच जिला चिकित्सालय में निःशुल्क की जाती है। आवश्यकता होने पर जाँच करायें। डेंगू बिमारी से बचाव के संबंध में मैदानी अमले की बैठक अंतरविभागीय बैठक करना सुनिश्चित करें तथा माईकिंग नारे अंकन, रैली आदि आयोजित करें आवश्यकता अनुसार व्हॉट्सअप ग्रुप बनाकर सूचनाओं का आदान-प्रदान भी करें। आयोजित कार्यशाला में जिला क्षय अधिकारी डॉ. वाई.के.पासवान, मलेरिया समन्वयक एन. एस. शुक्ला, मलेरिया विभाग के सुपर थाईजर लैब टेक्नीशियन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिर हुआ प्रधानमंत्री आवास के नाम पर गड़बड़झाला

उमरिया। प्रधानमंत्री आवास योजना का मकसद हर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को पक्का मकान देना है, लेकिन जिले के बिरसिंहपुर पाली में इस योजना को अधिकारी और कर्मचारियों पलीता लगाने में जुटे हैं। एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पहले पात्र हितग्राही का आवास तो स्वीकृत हुआ, पहली किश्त मिली, बेस का कार्य उसने किया, लेकिन अब आगे का कार्य दूसरा व्यक्ति करवा रहा है। इस पूरे खेल में रोजगार सहायक की अहम भूमिका होने का दावा किया जा रहा है।

यह है मामला

बिरसिंहपुर पाली जनपद की ग्राम पंचायत महरोई में मुन्नू बैगा पिता डोमारी बैगा के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ, पहली किश्त मुन्नू बैगा को मिली, जिससे उसने फाउडेशन का कार्य कराया, लेकिन चर्चा है कि अगली किश्त कल्लू पिता बिरइया के खाते में दी गई, जिससे वह मुन्नू बैगा द्वारा कराये गये निर्माण में आगे का निर्माण कार्य कर रहा है, चर्चा है कि इस पूरे खेल में रोजगार सहायक की अहम भूमिका है।

कोई नया काम नहीं

बिरसिंहपुर पाली में प्रधानमंत्री आवास में हुआ गड़बड़झाला कोई नया कार्य नहीं है, इससे पूर्व भी मृत हो चुके व्यक्तियों के नाम पर पीएम आवास स्वीकृत कर राशि हजम की जा चुकी है और मजे की बात तो यह है कि एफआईआर के बावजूद जिला पंचायत से मिले अभयदान के चलते न तो उन कर्मचारियों को किसी प्रकार की कार्यवाही हुई और भ्रष्ट कर्मचारी आज भी अपने पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। इसलिए अगर रोजगार सहायक ने गड़बड़झाला किया भी है तो, इसमें उन्हें ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, जिला पंचायत से भ्रष्ट कर्मचारियों को अभयदान का प्रसाद मिलने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

इनका कहना है...

मुन्नू बैगा को पहली किश्त जारी हुई थी, इसी दौरान कल्लू का भी पीएम आवास स्वीकृत हो गया था, मुन्नू ने घर बनाया नहीं, उसी के बगल से कल्लू को घर बन गया है, हमने कहा था कि आप अपने स्थान पर बनाओं, हां यह सही है कि जियो टैग में गलती हुई है। पैसे लेने के आरोप गलत हैं।

ललिता सिंह
रोजगार सहायक, महरोई

पं. धीरेंद्र शास्त्री को शहडोल कोर्ट का समन

महाकुंभ में न आने वाला देशद्रोही बयान बना आफ़त

शहडोल। देशभर में चर्चित कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज में दिया गया उनका बयान महाकुंभ में हर व्यक्ति को आना चाहिए, जो नहीं आएगा वह पछताएगा और देशद्रोही कहलाएगा अब उन्हें कोर्ट तक ले आया है। शहडोल की एक अदालत ने इस बयान को असंवैधानिक और भडक़ाऊ बताते हुए शास्त्री को नोटिस जारी किया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शहडोल ने उन्हें 20 मई 2025 को सुबह 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया है। शास्त्री के इस बयान ने कई संवेदनशील सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक, अस्पतालों में सेवा दे रहे डॉक्टर, कानून-व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी या न्यायपालिका के सदस्य जो ड्यूटी पर हैं। महाकुंभ में न आ पाने के कारण देशद्रोही कहलाएंगे, यह सवाल सिर्फ व्यंग्यात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की आत्मा

को झकझोर देने वाला है। पूर्व शासकीय अधिवक्ता और अधिवक्ता संघ शहडोल के पूर्व अध्यक्ष संदीप कुमार तिवारी ने इस बयान पर आपत्ति जताते हुए पहले थाना सोहागपुर में शिकायत दी थी, पुलिस कार्रवाई न होने पर मामला पुलिस अधीक्षक तक पहुँचा और अंततः 3 मार्च 2025 को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शहडोल के समक्ष आपराधिक परिवाद दाखिल किया गया, अब अदालत की सक्रियता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की दिशा में बढ़ा दिया है।श्री तिवारी का कहना है, अगर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के लिए एफआईआर हो सकती है, तो सार्वजनिक मंच से भडक़ाऊ बयान देने वाले पर कार्रवाई क्यों नहीं, सीधी जिले में कथावाचक के खिलाफ टिप्पणी करने पर एफआईआर दर्ज होना तो तत्काल हो गया, लेकिन स्वयं शास्त्री के बयान पर चुप्पी यह दोहरे मापदंड की ओर इशारा करता है। श्री तिवारी ने बयान की आलोचना करते हुए कहा, देशभक्ति का मूल्यांकन धार्मिक आयोजनों में भागीदारी से नहीं, बल्कि कर्तव्यों और संविधान के प्रति निष्ठा से होता है। उनका मानना है कि यह बयान सामाजिक वैमनस्य को बढ़ावा देने वाला है और भारत की धर्मनिरपेक्ष आत्मा के खिलाफ जाता है। यह मामला अब सिर्फ एक कथावाचक के बयान का नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसके दायरे, संविधान की गरिमा, और कानून की निष्पक्षता का परीक्षण बन चुका है। क्या अदालत इस बयान को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मानेगी या उसे दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखेगी, इसका निर्णय 20 मई की सुनवाई में स्पष्ट होगा।

संभाग स्तरीय विशेष राजस्व अभियान में 12254 राजस्व प्रकरणों का निराकरण

शहडोल। आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता के निर्देशन में संभाग के तीनों जिलों में राजस्व संबंधित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए 20 अप्रैल से 20 मई तक विशेष राजस्व अभियान का संचालन किया जा रहा है। अभियान के तहत 20 अप्रैल से 13 मई के मध्य संभाग में 12254 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। जिसमें अनूपपुर जिले में लंबित 6111 प्रकरणों में से 3931 प्रकरणों का निराकरण किया गया। निराकरण का प्रतिशत 64.33 रहा। इसी तरह शहडोल जिले में लंबित 7563 प्रकरणों में से 5251 प्रकरणों का निराकरण किया गया। निराकरण का प्रतिशत 69.43, इसी तरह उमरिया जिले में लंबित 5261 प्रकरणों में से 3072 प्रकरणों का निराकरण किया गया। निराकरण का प्रतिशत 58.39 है। संभाग में विशेष राजस्व अभियान में निराकरण का प्रतिशत 64.72 है। आयुक्त कार्यालय में पदस्थ संभागीय सलाहकार आरसीएमएस उपेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि अभियान के माध्यम से 20 अप्रैल से 13 मई तक अनूपपुर जिले में राजस्व से संबंधित 3931 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। जिसमें नामांतरण के 1829 प्रकरण, बटवारा के 471 प्रकरण, सीमांकन के 1090 प्रकरण, अभिलेख दुरूस्ती के 108 प्रकरण, डायवर्सन के 220 प्रकरण तथा नक्शा तरमीम के 213 प्रकरण शामिल हैं। अभियान के माध्यम से 20 अप्रैल से 13 मई तक शहडोल जिले में राजस्व से संबंधित 5251 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। जिसमें नामांतरण के 1921 प्रकरण, बटवारा के 257 प्रकरण, सीमांकन के 1476 प्रकरण, अभिलेख दुरूस्ती के 213 प्रकरण, डायवर्सन के 281 प्रकरण तथा नक्शा तरमीम के 674 प्रकरण एवं धारणाधिकार के 429 प्रकरण शामिल हैं। अभियान के माध्यम से 20 अप्रैल से 13 मई तक उमरिया जिले में राजस्व से संबंधित 3072 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। जिसमें नामांतरण के 1164 प्रकरण, बटवारा के 209 प्रकरण, सीमांकन के 769 प्रकरण, अभिलेख दुरूस्ती के 75 प्रकरण, डायवर्सन के 115 प्रकरण तथा नक्शा तरमीम के 652 प्रकरण एवं धारणाधिकार के 88 प्रकरण शामिल हैं।

सो रहे बुजुर्ग की बेरहमी से गला रेतकर हत्या

उमरिया। जिले के बिलासपुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर ग्राम में बीती रात बुजुर्ग की नृशंस हत्या से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 65 वर्षीय चंद्रशेखर तिवारी के रूप में हुई है, जिनकी अज्ञात हमलावरों ने गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना में धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया है। गला रेतने के बाद हमलावरों ने मृतक के शरीर पर कई और गंभीर वार किए। जानकारी के अनुसार, चंद्रशेखर तिवारी रात में अपने घर की चारपाई पर सो रहे थे। उसी दौरान अज्ञात हमलावर घर में घुसे और उन पर जानलेवा हमला कर दिया। पहले उनका गला रेत दिया गया, फिर शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार किए गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हमले की क्रूरता इतनी भयानक थी कि दृश्य देखकर ग्रामीण स्तब्ध रह गए।

पुलिस ने मौके से जुटाए सबूत

घटना की सूचना मिलते ही बिलासपुर थाना चौकी प्रभारी कोमल दीवान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। जिला मुख्यालय से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हत्या के बाद गांव में भय और तनाव का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि चंद्रशेखर तिवारी एक शांत और मिलनसार व्यक्ति थे। उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, जिससे यह वारदात और भी रहस्यमय बन गई है।

जांच कर रही पुलिस

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार मामले की सूक्ष्म विवेचना की जा रही है। जल्द ही अपराधियों को पकडक़र मामले का खुलासा किया जाएगा।

जल की एक-एक बूंद बचाने का दिया जा रहा संदेश

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान सतत रूप से चल रहा है। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जा रहे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावडिय़ों और कुँओं का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगरपालिका शहडोल अंतर्गत सुमन सरोवर में लोगों ने जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु श्रमदान किया तथा जल संरक्षण का संदेश दिया।

खबर संक्षेप

21 मई को ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज उमरिया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति मानपुर की बैठक 21 मई को जनपद पंचायत सभागार मानपुर में सायं 4 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में ऋण जमा अग्रिम साख अनुपात पर चर्चा, वित्तीय साक्षरता अभियान एवं प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रामीण शाखाओ व्दारा शिविर आयोजन की चर्चा, जिला व्यापार उद्योग केंद्र उमरिया के योजनाओं की समीक्षा, एनयूएलएम अंतर्गत मुख्यमंत्री स्व रोजगार योजना, स्व सहायता समूह के बैंक लिंकेज एवं प्रधानमंत्री स्व निधि योजना की समीक्षा, पशुपालन, मत्स्य, कृषि विभागों के केसीसी के प्रगति की समीक्षा, एनआरएलएम विभाग अंतर्गत स्व सहायता समूह बैंक लिंकेज एवं प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना की समीक्षा, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना की समीक्षा, आदिवासी वित्त विकास विभाग की योजनाओं के प्रगति की समीक्षा, सीएम हेल्पलाइन लाइन लंबित शिकायतों की समीक्षा, एसबीआई आरसेटी उमरिया की समीक्षा सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

15 जून तक चलेगा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज उमरिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी प्रतिपाल सिंह महोबिया ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 15 मई से प्रारंभ हो गये है जो 15 जून तक चलेगा । ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर अमर शहीद स्टेडियम ग्राउंड तथा कालरी विद्यालय उमरिया में आयोजित होगा । उन्होने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कहा है कि शिविर स्थल पर स्वास्थ्य चिकित्सा एवं ओ आर एस के घोल की पूर्ति की जाए । मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा है कि शिविर स्थल की साफ सफाई , पेयजल व्यवस्था, खेल मैदान में पानी के छिडक़ाव की व्यवस्था की जाए ।

आंवला की खेती का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज उमरिया। कृषि विज्ञान केंद्र उमरिया में आयुष विभाग द्वारा देवारण्य योजनांतर्गत एक जिला एक औषधि उत्पाद के अंतर्गत आंवला की खेती से संबंधित एक दिवसीय वन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ । इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यालय प्रमुख डॉ.के.पी. तिवारी व डॉ.धनंजय सिंह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र उमरिया द्वारा औषधि पौधे आंवले की खेती के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि आंवले का अधिक उत्पादन लेने हेतु किस्म का चयन बहुत महत्वपूर्ण होता है । जब भी आंवले का बगीचा लगाया जाए तो कम से कम बगीचे में तीन किस्मों का समावेश हो । ऐसा न करने पर प्रायः आंवले में अफ़लन की स्थिति बनी रहती है । प्रशिक्षण में डॉ,दीपक द्विवेदी, उद्यान विभाग से श्री महेश धुर्वे तथा वन समिति के लगभग 55 सदस्य उपस्थिति रहे कार्यक्रम को सफल बनाने में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आवश्यक सहयोग रहा।

कोयला कर्मियों के पीएफ पर मिलेगा 7.6% ब्याज

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। कोयला कर्मियों के पीएफ पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 7.6 प्रतिशत ब्याज मिलेगा. कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफ) के क्षेत्रीय आयुक्त निरंजन कुमार मिश्रा के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.6% की दर से सीएमपीएफ के प्रत्येक सदस्य के खाते में ब्याज की राशि जमा की जायेगी। यह दर पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के समान रखी गयी है। बताते चलें कि सीएमपीएफ बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (बीओटी) की बैठक जनवरी में हैदराबाद में बीओटी अध्यक्ष सह कोयला सचिव विक्रम देव दत्त की अध्यक्षता में हुई थी। इसमें वर्ष 2024-25 के लिए 7.6% ब्याज दर तय की गयी थी।

शादी का सीजन आते ही नगरवासी होते हैं परेशान

नगर में सर्वसुविधा युक्त बने बारात घर

हरिभूमि न्यूज नौरोजाबाद। नगर परिषद अंतर्गत 15 वार्ड आते है, इन 15 वार्डों के बीच में कम से कम हर 5 वार्डों के बीच में तीन बारात घर होना चाहिए था और नगर के बीच में एक बड़ा बारात घर, जिससे कि शादी विवाह के समय आमजनता को सुविधा मिल सके एवं वार्डवासियों के शादी, पार्टी हो सके। नगर परिषद के बगल में कई सालो पहले बना बारात घर खंडहर में तब्दील हो चुका है, जहां पुराना सामान रखा जाता है और बरसात के दिनों पानी भी भर जाता है।

बरसात में टूट कर गिर गया

पूर्व कांग्रेस मंत्री दलबीर सिंह के समय में वार्ड नंबर 2 और 3 के बीच में एक सामुदायिक भवन का निर्माण हुआ था, उसमें छोटे-बड़े कार्यक्रम संचालित हो जाते थे, लेकिन बरसात होने के कारण वह टूट के गिर गया था और परिषद के कर्मचारी के दौरा सभी सामान को ट्रैक्टर में भरकर ले गए थे, वह जगह आज भी खाली पड़ी हुई है, इसका मुख्य कारण है कि समय से मरम्मत का काम नहीं किया जाता है और न ही देखरेख किया जाती है।

एसईसीएल का जोहिला भवन एवं मंगल भवन

एसईसीएल नौरोजाबाद द्वारा दो भवन का निर्माण कराया गया था , जिसमें से एक भवन जिसका नाम मंगल भवन दिया गया था, जिसमें कुछ सालो तक कर्मचारियों के बच्चों की शादी और छोटा-बड़ा फंक्शन किया जाता था, लेकिन किसी कारणवश उसमें ताला लगा दिया गया था, एसईसीएल प्रबंधक को अवगत कराया था कि मंगल भवन में ताला बंद होने से कर्मचारी एवं नगरवासियों को समस्याएं हो रही है, जिसे जल्द से जल्द मंगल भवन को खोल जाना चाहिए, अभी वर्तमान में एसईसीएल द्वारा मंगल भवन का कार्य प्रगति पर है, जिसे बहुत जल्द खोला जाएगा लोगों की शादी विवाह एवं फंक्शन में इसका उपयोग हो सकेगा। वहीं जोहिला भवन है, लेकिन उसको लेने के लिए लोगो को पहले से आवेदन करना होता है और कुछ पैसा भी जमा करना पड़ता है, जो हर किसी के बस में नहीं है, अगर एक दिन में 2 या 3 शादी हुई तो लोगो को भारी दिक्कत होती हैं।

कृष्णा कॉलोनी में भी बने बारात घर

नगर के वार्ड नंबर 01 और 02 एव 03 के कृष्णा कॉलोनी में कृष्ण मंदिर के सामने नगर परिषद के द्वारा बाउंड्रीवॉल का निर्माण जो हुआ है, उसके अंदर एक बारात घर बनाने की लोगो की मांग है, नगर परिषद नौरोजाबाद और एसईसीएल जोहिला एरिया के उपक्षेत्र नौरोजाबाद सब एरिया ऑफिस के सामने एक बड़े बारात का निर्माण कार्य होने से आने वाले समय में घरेलू कार्यक्रम के साथ-साथ शादी विवाह का समारोह भी धूमधाम से हो सकेगा। क्यों की उस जगह पर सबएरिया ऑफिस, स्टेट बैंक, एवं पोस्ट ऑफिस लगा हुआ है और राधा कृष्ण की सबसे पुरानी मंदिर भी है, जो कि एसईसीएल के द्वारा निर्माण कराया गया है।

पीपल चौक के बीच में बने एक बारात घर

अगर नगर परिषद द्वारा पीपल चौक और 5 नंबर के बीच में एक बारात घर बन जाए तो आम जनता को राहत मिलेगी और लोग पहले के जैसे अपने छोटे-बड़े कार्यक्रम के साथ शादी समारोह का कार्यक्रम भी कर सकेंगे, नगर परिषद एवं एसईसीएल द्वारा अगर संयुक्त रूप से क्षेत्र के विकास की ओर ध्यान दिया जाये तो, आम लोगों की बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है।

मेले में 162 युवाओं को उपलब्ध कराया गया रोजगार

युवा संगम रोजगार मेला कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज उमरिया। प्रदेश सरकार की मंशानुसार हर माह के प्रत्येक शुक्रवार को युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार से जुडऩे के लिए युवा संगम रोजगार मेला सुनहरा अवसर है। मेले के माध्यम से युवा अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है।उक्त आशय के विचार अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम ने रानी दुर्गावती भवन में आयोजित युवा संगम रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होने कहा कि युवा अपनी योग्यता अनुसार रोजगार से जुडक़र अपनी जीविकोपार्जन करें तथा अपने चित परिचितों को भी युवा संगम रोजगार मेले की जानकारी प्रदाय करते हुए उन्हें भी रोजगार से जोड़े । इस दौरान उन्होने अपने अनुभव भी युवाओं से साझा किए । युवाओ से उन्होने अपील करते हुए कहा कि रोजगार प्राप्त करने के बाद मन लगाकर कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।

जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने कहा कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा आईटीआई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है । युवक एवं युवतियां कंपनी व्दारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन करते हुए रोजगार प्राप्त कर सकते है । कार्यक्रम में मोबाइल पे कंपनी से आये सुरेश ने युवाओं को मोबाइल पे के बारे बताते हुए कहा कि

मोबाइल पे एक पेमेंट गेटवे एप्लीकेशन है जिसका उपयोग करने पर सभी प्रकार के लेन देन पर कैशबैक मिलता है । इसके साथ ही उन्होने मोबाइल पे को डाउनलोड करने के तरीके तथा उसके उपयोग की जानकारी दी। रिलाएंस निप्पोन कंपनी से आई भावना सिंह चौहान ने बताया कि बेरोजगार युवा अपनी योग्यतानुसार रिलाएंस निप्पोन कंपनी से जुडक़र रोजगार प्राप्त कर सकते है । इसी तरह जीवनधारा हेल्थ केयर कंपनी से आये प्रकाश सिंह कुशवाहा, प्रगतिशील बायोटेक कंपनी रीवा एवं आईटीआई उमरिया के अजय सिंह, प्रमोद पटेल व्दारा भी युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हे रोजगार से संबंधित जानकारी प्रदाय की । मेले में मालवा इंजीनियरिंग पीथमपुर व्दारा 21 युवाओ, प्रगतिषील बायोटेक व्दारा 6 युवाओ, जीवनधारा हेल्थकेयर व्दारा 10 युवाओ , रिलाएंस निप्पोन व्दारा 15 युवाओ तथा मोबाइल पे व्दारा 110 युवाओ को रोजगार उपलब्ध कराया गया। युवाओ ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जी आर गायकवाड़, जिला रोजगार कार्यालय से एस के कोरी, मुकेश दुबे सहित युवा उपस्थित रहे ।

एनवायकेएस माय भारत ने लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज उमरिया। रक्तदान जीवन दान के उद्देश्य से दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय एनवायकेएस माय भारत के जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह व जिला चिकित्सालय उमरिया के ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर मुकुल तिवारी के मार्गदर्शन पर जिला अस्पताल में रक्तदान का शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओ ने बढ़ कर हिस्सा लिया। एनवायकेएस के जिला अधिकारी ने कहा कि रक्त एक विशेष शारीरिक तरल पदार्थ है जो लगातार आपके पूरे शरीर में बहता रहता है यह आपके शरीर को क्रियाशील रखने के लिए कई काम करता है जैसे कि आपके पूरे शरीर में ऑक्सीजन ले जाना, रक्त कैंसर और रक्त विकार रक्त को आना आवश्यक कार्य करने से रोक सकते हैं द्य पी.टी.एस के उप निरीक्षक राहुल साहू ने कहा कि रक्तदान करने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, यह दिल की बीमारियों के जोखिम को काम करता है कैंसर का खतरा कम कर सकता है और वजन कम करने में मदद कर सकता है, रक्तवीर राहुल सिंह ने कहा कि इलाज की सुविधा होने के बाद भी कई बार लोगों के जीवन की डोर सिर्फ इसलिए टूट जाती है, क्योंकि उन्हें समय पर खून नहीं मिलता है, ऐसे में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है, शिविर के दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ मुकुल तिवारी सिविल सर्जन के प्रभारी धीरेंद्र शर्मा, लैब टेक्नीशियन विनीत साहू, उप निरीक्षक राहुल साहू रक्तवीर राहुल सिंह, मंगलेश सिंह जन प्रतिनिधि हरी सिंह मरावी, बैजनाथ बैगा, उमरिया कोतवाली से कमोद टेकाम मनीष सिंह एवं सभी उपस्थित रहे।जिले में 4213 किसानों से 18053.8 क्विंटल गेहूं की खरीदी की गई उमरिया 16 मई दृ जिला आपूर्ति अधिकारी बी एस परिहार ने बताया कि जिले में 35 गेहूं खरीदी केन्द्रों के माध्यम से 4213 किसानों से 18053.8 क्विंटल गेहूं की खरीदी की गई है। जिले में पंजीकृत किसानों की कुल संख्या 12093 है । स्लॉट बुकिंग की संख्या 4847 है । जिले में 1597 किसानों को 15.66 करोड़ रूपये भुगतान किए जा चुके है।

नारद जयंतीः पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों की पुनः स्मृति

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। आज के दौर में जब पत्रकारिता टीआरपी, सनसनी और राजनीतिक प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती है, तब हमें अपने सांस्कृतिक इतिहास में झांककर यह देखना चाहिए कि संवाद और सूचना का आदर्श रूप कैसा होना चाहिए। इस संदर्भ में देवर्षि नारद का नाम सबसे पहले आता है। वे केवल एक धार्मिक पात्र नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के पहले संवाददाता भी हैं जिनकी संवादशैली, सत्यप्रियता और उद्देश्यपूर्ण वाणी आज भी प्रासंगिक है।

नारद मुनि संपूर्ण ब्रह्मांड में विचरण करते थे, लेकिन उनके भ्रमण का उद्देश्य केवल सूचना संकलन नहीं था। वे घटनाओं का अवलोकन करते, उनका विश्लेषण करते और फिर उन्हें नीति, धर्म और ज्ञान के साथ प्रस्तुत करते थे। उनका संवाद केवल जानकारी नहीं देता था, वह चेतना को जागृत करता था।

निष्पक्षता की मिसाल

नारद देवताओं और असुरों दोनों को समान दृष्टि से देखते थे। वे जहाँ त्रुटि देखते, उसे उजागर करने में संकोच नहीं करते थे। उनकी यही निष्पक्षता आज के पत्रकारों के लिए सबसे बड़ा आदर्श है। पत्रकारिता को किसी राजनीतिक या आर्थिक दबाव से ऊपर उठकर समाज के हित में कार्य करना चाहिए।

संवाद का माधुर्य और मर्यादा

नारद का संवाद चुटीला, चंचल लेकिन सारगर्भित होता था। वे गंभीर विषयों को भी इतने सहज ढंग से प्रस्तुत करते कि सुनने वाला सहजता से उसे आत्मसात कर लेता। आज के पत्रकारों को भी संवाद में भाषा की गरिमा, तथ्य की स्पष्टता और उद्देश्य की पवित्रता बनाए रखनी चाहिए। नारद केवल समस्याएं उजागर नहीं करते थे, वे समाधान भी बताते थे। वे संवाद के माध्यम से नीति का बोध कराते, धर्म की व्याख्या करते और मनुष्य को सही दिशा में प्रेरित करते। आज की पत्रकारिता को भी समस्याओं के साथ समाधान प्रस्तुत करने की ओर बढ़ना चाहिए।

पत्रकारिता के आदर्शों का स्मरण

नारद जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, यह पत्रकारिता के उन मूल्यों की याद दिलाने वाला अवसर है, जो आज धुंधले पड़ते जा रहे हैं जैसे सत्यनिष्ठा, निडरता, उद्देश्यपूर्ण संवाद और जनहित की भावना। यदि आज के पत्रकार नारद की तरह संवाद करें सत्य, विवेक और कल्याण की भावना के साथ तो समाज में विश्वास और जागरूकता दोनों का संचार होगा। आज के दौर में नारद केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि एक आदर्श हैं, उन सभी के लिए जो पत्रकारिता को एक जिम्मेदारी मानते हैं, न कि केवल एक पेशा। पत्रकारिता को नारद जैसे संवाददाताओं की आवश्यकता है, जो समाज के भीतर चेतना, संतुलन और सद्भाव पैदा करें।

नगर में फर्जी अवैध क्लीनिकों की भरमार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में अवैध क्लीनीको की भरमार सी लगी हुई है। बताया जाता है कि नगर के बाजार क्षेत्र, बनिया टोला, गोविंदा, लहसुई कैंप, विकास नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे अनेक क्लीनिक एवं पैथोलॉजी संचालित हैं जहां बिना पंजीयन एवं डिग्री के मरीजों का उपचार किया जाता है।कई बार मामला बिगड़ने पर ही कार्यवाही हो पाती है । विदित रहे पूर्व में नगर मे संचालित अवैध क्लीनिकों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई थी। कार्यवाही से नगर में फैले फर्जी अवैध क्लीनिक संचालकों में हड़कंप मचा गया था, लेकिन वर्तमान में यह हाल हो गया है कि नगर के वार्ड क्रमांक 09 इस्लाम गंज में जैतहरी क्षेत्र से आकर विश्वास क्लीनिक को संचालित किया जा रहा है जबकि पूर्व में जैतहरी में इसके विरुद्ध शिकायत होने पर कार्यवाही करते हुए क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के द्वारा सील कर दिया गया था। उसके बाद यह कोतमा को सुरक्षित शरण स्थली मानकर खुलेआम स्वास्थ्य विभाग की आंखों में धूल झोंकते हुए क्लीनिक को संचालित कर रहा है। स्थानीय नागरिकों ने नगर मे संचालित अवैध क्लीनिकों की जांच करते हुए कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज उमरिया। जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रविन्द्र शुक्ला ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड मानपुर सेक्टर नंबर 4 ताला के ग्राम पटेहरा में फील्ड वर्क का कार्य किया गया । फील्ड वर्क के दौरान तालाब में अपनी मिट्टी अपना जल को संरक्षित करने के लिए तालाब के परिसर में साफ सफाई का कार्य किया गया । साफ सफाई के दौरान सभी को जल गंगा संवर्धन अभियान की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । अभियान में सहयोगी रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संतोष यादव , उप सरपंच राम नरेश साहू शिक्षक सीतालाल बैगा अध्यक्ष लघुवनोपज समिति छपडौर अभय सिंह एमएस डब्ल्यू -1 छात्र मनीष साहू बी एस डब्ल्यू 1 छात्र अन्य ग्रामीण सदस्य शामिल रहे परामर्शदाता ठाकुर राम साहू उपस्थित रहे।

जन-जन का यही हो नारा डेंगू मुक्त हो उमरिया हमारा

हरिभूमि न्यूज उमरिया। स्तरीय/ ग्राम स्तरी बैठक/ प्रशिक्षण / रैली, नारे लेखन इत्यादि के माध्यम से प्रचार-प्रसार की व्यापक गतिविधियां की जा रही है। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे अर्वन उमरिया एवं अर्वन चंदिया के सुपरवाइजर एवं स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण-शपथ ग्रहण जिला मलेरिया कार्यालय उमरिया में किया गया। ब्लाक स्तर पर भी बैठक एवं रैली का आयोजन किया गया। गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। डॉ. व्ही.एस.चंदेल जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया कि डेंगू के लक्षण होने पर मरीज को तेज बुखार ,सिर दर्द मासपेशियों एवं जोड़ो में दर्द शरीर पर चकत्ते के निशान, नाक व मसूड़ो से खून आना ऑख के निचले हिस्से पे दर्द हो सकता है, अतः डेंगू के लक्षण आने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंन्द्र/ आशा, ए.एन.एम. से सपर्क कर जिला चिकित्सालय में खून की जाँच करावें एवं उपचार लेवें। रविकुमार साहू जिला व्ही.बी.डी.सलाहकार ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पैदा होता है, डेंगू बीमारी संक्रमित मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, डेंगू का एडीज मच्छर दिन में काटता है। अतः इससे बचाव हेतु घर के आस-पास पानी जमा न होने दें व सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। सप्ताह में एक बार कूलर का पानी बदलें एवं आस पास पाये जाने वाले कूलर टायर मटका टूटे फूटे डिब्बो में पानी जमा न होने दे एवं रूके हुये पानी में जला हुआ ऑयल केरोसीन एक ढक्कन डालें। प्रशिक्षण मे ममता परस्ते ए.एम.ओ., विनोद जावरकर सेक्टर सुपरवाईजर, श्रीमती सुमन गुप्ता, नीलेश सोनी, प्रीति सिंह, गौरीशंकर कुशवाहा, संतोष पटेल, बृजेन्द्र सिंह, श्रीकान्त द्विवेदी, अंगद चौधरी , अमित कुमार पटेल, अर्वन ए.एन.एम. एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पँचायत द्वारा निर्मित दुकानों में आवारा पशुओं का डेरा

बड़वारा। जनपद पंचायत कार्यालय बड़वारा के समीप ग्राम पंचायत के माध्यम से बड़वारा में लाखों रुपये की लागत से दुकानों का निर्माण करवाया गया है किंतु उनमें सटर न लगाए जाने से आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगता है जिससे दुकानों में गंदगी फैलती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पँचायत द्वारा दुकानों में अतिशीघ्र सटर लगवाकर नियमानुसार लोगों को दुकान उपलब्ध करवाई जाएं जिससे लोग अपने जीवन स्तर को सुधार कर अपना जीवन यापन कर सकें एवम अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें।

लापता महिला का जंगल में मिला कंकाल

कटनी। करीब दो माह से लापता एक महिला का कंकाल जंगल में मिलने से सनसनी फैल गई। टीकर-परसवारा के जंगल में महिला का कंकाल मिलने की सूचना पर एसडीओपी वीरेंद्र धार्वे, थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश शर्मा पुलिस अमले के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और कंकाल के अवशेष एकत्र कराए गए। मौके पर मौजूद गांजर निवासी गुप्ता परिवार ने मृतक की शिनाख्त सोमती बाई गुप्ता पति सोहन लाल गुप्ता के रूप में की है। मृतका के पति सोहनलाल गुप्ता ने बताया कि उसकी पत्नी मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और 11 अप्रैल से अचानक लापता थी। परिजनों ने महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट कैमोर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा महिला की पातासाजी की जा रही थी तो वहीं परिजन भी लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। खोजते खोजते बुधवार को परिजन टीकर-परसवारा के जंगल में पहुंचे जहां नरकंकाल पाया गया। कंकाल के पास मौजूद चूड़ियों और कपड़ों से मृतका की शिनाख्त सोमती बाई गुप्ता के रूप में परिजनों ने की।एसडीओपी वीरेंद्र धार्वे ने बताया कि कंकाल के अवशेष एकत्र करके पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ भेजा गया। प्रथम दृष्टया महिला की मौत किसी विषैले जीव जंतुओं के काटने से होने की संभावना है। महिला के हत्या होने जैसे कोई भी तथ्य नहीं मिले। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना गंभीरता से की जा रही है। पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

जहरीले पदार्थ के सेवन करने से महिला की मौत

कटनी। विषाक्त पदार्थ के सेवन से महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला की जहर पीने के कारण जबलपुर में इलाज दौरान मौत हो गई है। बताया जाता है कि 2 मई को साक्षी पति सुजीत कुशवाहा (20) निवासी ग्राम धूरी थाना स्लीमनाबाद ने अज्ञात पदार्थ का सेवन कर लिया था। इलाज दौरान मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम कराते हुए मर्ग प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

कांग्रेसजनों ने कोतवाली पहुंचकर मंत्री शाह के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग

हरिभूमि न्यूज: कटनी। मंत्री विजय शाह पर कटनी में भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की साथ कांग्रेसी कोतवाली पहुंचे। टीआई अजय सिंह को शिकायती पत्र सौंपकर मामला दर्ज करने की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है की मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा आपत्तिजनक बयान दिया गया जिसमें उन्होंने सेना की महिला अधिकारी को आतंकवादियों से जोड़ दिया है। एक वर्ग विशेष के विरूद्ध अपशब्दों का प्रयोग किया गया तथा देश की एकता, अखंडता को बिगाड़ने का कृत्य किया गया है। जिससे सभी देशवासी दुःखी एवं आक्रोशित हैं । मंत्री विजय शाह द्वारा किए गए कृत्य भारतीय न्याय संहिता की धारा 351, 352, 353, 78 एवं धारा 152 के अन्तर्गत गंभीर अपराध की परिधि में आता है।

धनपुरी के नया दौड़ा मोहल्ले में फिर धंसी जमीन, बड़ा हादसा होने की आशंका से लोग सहमे, प्रशासन से की गई शीघ्र भराव कार्य की मांग

धनपुरी।

नगर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित नया दौड़ा मोहल्ले में एक बार फिर जमीन धंसने की घटना सामने आई है। यह घटना राम करण दहिया के घर के पीछे की बाड़ी में हुई है, जहां अचानक एक बड़ा गड्ढा बन गया। खास बात यह है कि इसी स्थान पर पूर्व में भी 3 अप्रैल 2022 को जमीन धंसी थी, जिसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दी गई थी और बाद में उस गड्ढे को मिट्टी से भरवाया गया था।स्थानीय निवासी राम करण दहिया ने बताया कि गड्ढा भरवाए जाने के कुछ समय बाद फिर से उसी स्थान पर जमीन धंस गई है, जिससे अब वहां एक और बड़ा गड्ढा बन गया है। क्षेत्रवासियों में इस बात को लेकर डर बना हुआ है कि यदि इस पर जल्द कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो कोई गंभीर हादसा हो सकता है।

चूंकि गड्ढा बाड़ी में है, और घर के पीछे ही स्थित है, इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के गिरने की आशंका बनी रहती है।राम करण दहिया ने प्रशासन से मांग की है कि उक्त गड्ढे को पुनः मिट्टी से भरवाया जाए और स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस संबंध में एक आवेदन पत्र बुढार ग्रुप सव एरिया को भी सौंपा है।अब देखना यह है कि प्रशासन इस पुनरावृत्त होती समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक इसका स्थायी समाधान करता है।

बसों की सघन जांच, 20600 रूपए वसूल किया समन शुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस मुख्यालय द्वारा यात्री बसों एवं स्कूली बसों की चेकिंग हेतु 13 मई से 31 मई तक विशेष अभियान संचालित कर वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। आदेश के पालन में पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के निर्देशन में यातायात प्रभारी राहुल पाण्डेय के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा पन्ना नाका में वाहन चैकिंग लगाई जाकर 30 यात्री बसों की सघन चैंकिंग की गई। चैकिंग में मुख्य रूप से बस के आवश्यक दस्तावेज जैसे परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण सर्टिफिकेट, ड्राइवर, कंडक्टर का लाइसेंस, प्रेशर हॉर्न, अग्निशमन, फास्ट एड बॉक्स आदि की सघन चेकिंग की गई। 22 बसे नियमों का उल्लंघन कर परिवहन करती पाई गई। जिनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए 20600 का समन शुल्क वसूल किया गया। यातयात थाना प्रभारी राहुल पांडे ने कहा की मुख्यालय के निर्देशों के तहत यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गौरतलब है कि 12 मई को भोपाल के बाणगंगा चौराहे में स्कूल बस द्वारा अनियंत्रित होकर रेड सिग्नल पर खड़े वाहन चालकों को टक्कर मारने की दुखद घटना सामने आई थी।

श्रमदान कर तालाब में की गई सफाई

कटनी। राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशानुसार छैघरा तालाब में श्रमदान करके तालाब की साफ-सफाई की गई । छैघरा तालाब में पानी में फैली खरपतवार, विसर्जन सामग्री, कूड़े-कचरे की सफाई करते हुए श्रृंखला बनाकर तालाब के बाहर फेंका गया और ग्रामवासियों को आगामी समय में गणेश जी, दुर्गा जी आदि की मूर्तियों, जवारे, कजलियां एवं अन्य पूजन सामग्री गांव के घाट में विसर्जित न कर विकल्प के रूप में कुंड बनाकर उसमें पानी भरकर उसमें विसर्जन करने हेतु प्रेरित किया। जिससे तालाब का पानी साफ-स्वच्छ उपयोग करने योग्य रहेगा। ग्रामवासियों ने इस पर अपनी सहमति जताते हुए तालाब स्थित घाट को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया। इसके अलावा ग्राम वासियों के सहयोग से घाट को हमेशा साफ सुथरा रखने की दृष्टि से आगे भी घाट के दोनों ओर झाड़ियों की सफाई करने की कार्य योजना तैयार की गई ।

धनपुरी की बेटियों ने रचा कीर्तिमान, शासकीय कन्या उच्च. मा. विद्यालय ने 2025 की बोर्ड परीक्षाओं में लहराया परचम

धनपुरी। पी०एम. श्री शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, धनपुरी की होनहार बेटियों ने वर्ष 2025 में माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंड्री परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणामों ने न सिर्फ अभिभावकों और शिक्षकों को गर्वित किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को भी गौरवान्वित किया है।10वीं का परिणाम 97.46% और 12वीं का 97.87% रहाविद्यालय की कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 97.46% रहा, जबकि कक्षा 12वीं ने 97.87% सफलता दर के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता की मिसाल पेश की। यह आँकड़े दर्शाते हैं कि विद्यालय न केवल गुणवत्ता शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि बालिकाओं को आत्मविश्वासी और प्रतियोगी भी बना रहा है।छात्राओं की उपलब्धियांकक्षा 10 वीं की छात्रा कु. अदिति प्रजापति ने 89.8% अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि लगन और समर्पण से कोई भी लक्ष्य दूर नहीं।वहीं कक्षा 12वीं की कला संकाय की छात्रा कु. स्वेता कुशवाहा ने 78.4% अंक अर्जित कर सराहनीय प्रदर्शन किया। विज्ञान संकाय में कु. सपना यादव ने 83.6% अंक हासिल कर विद्यालय के शैक्षणिक स्तर को नई ऊंचाई दी।कक्षा 8वीं में भी छात्रा कु. दीपिका ढीमर ने 86.6% अंक प्राप्त कर यह साबित किया कि भविष्य की प्रतिभाएं भी तैयार हो रही हैं। विद्यालय की इस शानदार उपलब्धि पर नगर में बधाइयों का तांता लगा हुआ है। निश्चित ही यह प्रदर्शन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और शिक्षा के क्षेत्र में धनपुरी को नई पहचान दिलाएगा।

बंगवार भूमिगत माइंस को मिला फाइव स्टार रेटिंग में पहला स्थान, साथ ही वाटर कूलर सुविधा से श्रमिकों को राहत

धनपुरी। एसईसीएल की सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत स्थित बंगवार भूमिगत माइंस ने उपलब्धियों की एक नई ऊँचाई छू ली है। माइंस को भारत सरकार द्वारा निर्धारित फाइव स्टार रेटिंग मूल्यांकन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह रेटिंग खनन क्षेत्र में सुरक्षा, पर्यावरण, उत्पादन और प्रबंधन के आधार पर दी जाती है। वहीं दूसरी ओर, श्रमिकों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए परिसर में नया वाटर कूलर भी स्थापित किया गया है।उपलब्धियों की दोहरी खुशी बंगवार माइंस को मिली इस रेटिंग से एसईसीएल के पूरे सोहागपुर क्षेत्र में उत्साह की लहर है। उपक्षेत्रीय प्रबंधक संजय सिंह, खान प्रबंधक डी आर कुर्रे के कुशल नेतृत्व में सोहागपुर एरिया महाप्रबंधक वी श्री कृष्णा मार्गदर्शन में माइंस ने न केवल उत्पादन व सुरक्षा के मानकों को पूरा किया, बल्कि कर्मचारियों की सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया है।वाटर कूलर से कर्मचारियों को भीषण गर्मी में राहत अमलाई बंगवार डामिनी उपक्षेत्रीय प्रबंधक संजय सिंह ने फीता काटकर वाटर कूलर का उद्घाटन किया। श्रमिक संगठन की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए यह ठंडा पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उद्घाटन कार्यक्रम में खान प्रबंधक डीआर कुर्रे, सुरक्षा अधिकारी अरविंद चौधरी सर्वे अधिकारी मानस दत्ता पीके झा सहायक प्रबंधक संस्कृत साहू उषा माझी नवनीत सिंह प्रकाश चौधरी आशुतोष शुक्ला अभिषेक सिंह अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने ठंडा जल ग्रहण कर इस सुविधा की सराहना की और प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।सुरक्षा, पर्यावरण और प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण बनी बंगवार माइंस फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त करना दर्शाता है कि बंगवार माइंस न केवल उत्पादन में आगे है, बल्कि वह पर्यावरणीय संतुलन और श्रमिक हितों का भी समान रूप से ध्यान रखती है। यह उपलब्धि समर्पित टीमवर्क, नियमित निरीक्षण, सुरक्षा प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों का परिणाम है।श्रमिकों ने जताया आभार ठंडे पानी की सुविधा से उत्साहित श्रमिकों ने कहा कि यह सुविधा उनके स्वास्थ्य और कामकाज की दक्षता में सकारात्मक प्रभाव डालेगी। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह अन्य आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

वार्डवार शिविरों का आयोजन बनाये जा रहे आयुष्मान कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासन निर्देशानुसार नगर निगम सीमांतर्गत निवासरत 45 वार्डों के श्रमिक कार्डधारकों को आयुष्मान कार्ड का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्य हेतु आयुक्त नीलेश दुबे द्वारा क्षेत्रीय वार्ड दरोगाओं को दायित्व सौंपे है।

आयुक्त नीलेश दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत गुरूवार 15 मई को गणेश प्रसाद मसुरहा वार्ड स्थित स्वर्णकार स्कूल चन्द्र शेखर आजाद वार्ड स्थित धन्तीबाई स्कूल, जालपा देवी वार्ड स्थित सोनी धर्मशाला, महात्मा गांधी वार्ड स्थित तिलक राष्ट्रीय स्कूल सहित जयप्रकाश वार्ड स्थित रोचलानी चौराहा में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान नगर निगम के वार्ड दरोगाओं एवं स्वास्थ विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा श्रमिक कार्डधारियों को आयोजित शिविर की सूचना प्रदान की जाकर शिविर के माध्यम से श्रमिक कार्डधारियों के आयुष्मान कार्ड बनानें का कार्य किया गया।

निगमायुक्त दुबे द्वारा जारी आदेशानुसार शुक्रवार 16 मई को पुनः इन्ही पांच वार्डो में शिविर का आयोजन किया जाकर आयुष्मान कार्ड की सुविधा का लाभ प्राप्त करने से वंचित कार्डधारियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

जन अभियान परिषद् द्वारा मनाई गई आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती

शहडोल। म प्र जन अभियान परिषद् के तत्वाधान मे पंडित अटल बिहारी बाजपेई महाविद्यालय जयसिंहनगर के सभागार मे आदिगुरु शंकराचार्य जी की जयंती मनाई गई। अतिथियों के द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना करते हुए दीप प्रज्ज्वलित किया गया। उक्त कार्यक्रम में एक संगोष्ठी आयोजित किया गया, जिसमें वक्ताओं के द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जी के जीवन दर्शन पर विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता के रूप में दिलीप पयासी के द्वारा आदिगुरु शंकराचार्य जी के जन्म से लेकर निर्वाण तक किए गए कार्यों पर धर्म की स्थापना के लिए पूरे भारत में भ्रमण और उनके द्वारा चारो मठों की स्थापना एवं मंडन मिश्र से शास्त्रार्थ अद्वैत वेदांत दर्शन पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। साथ ही उपस्थित समस्त वक्ताओं के द्वारा भी उनके कृतत्व तथा उनके जीवन दर्शन पर विस्तृत रूप जानकारी दी गई। बहुत ही दिब्यता और भव्यता के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यरूप से उपस्थित रहे। सामाजिक कार्यकर्ता सातिका प्रसाद तिवारी, जयश्री कचेर मंडल अध्यक्ष जयसिंहनगर, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश द्विवेदी, रामनारायण पांडेय, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र द्विवेदी ,म प्र जनाभियान परिषद के संभागीय समन्वयक भीम सिंह डामोर, जिला समन्वयक विवेक पांडेय, सेवानिवृत्त प्राचार्य सनत पांडेय, ब्लॉक समन्वयक ऋतिक दास मिश्रा, निर्मल द्विवेदी, अनुपम द्विवेदी, समस्त परामर्श दाता, एवं सीएमसीएलडी.पी. के छात्र छात्राएं उपस्थित थें।

बाघ के हमले से घायल हुआ युवक

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर क्षेत्र में बाघ के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब ग्राम गागीताल निवासी 35 वर्षीय युवक उदयभान अपने मवेशियों को पानी पिलाने जंगल की ओर गया था। घटना बीट गंगीतल के कक्ष क्रमांक 432 के पास की बताई जा रही है।

खबर है कि उदयभान रोज की तरह सुबह अपने मवेशियों को चराने और पानी पिलाने के लिए जंगल की ओर गया था। इसी दौरान झाडियों में छिपे एक बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बाघ के हमले से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और शोर-गुल मचाने पर आस-पास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने हल्ला मचाकर बाघ को भगाने की कोशिश की, जिसके बाद बाघ जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद पार्क

कर्मचारियों द्वारा तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक युवक के शरीर पर बाघ के पंजों के कई गहरे निशान हैं और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है, लेकिन फिलहाल वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना के बाद वन विभाग से गश्त बढ़ाने और टाइगर मूवमेंट की निगरानी तेज करने की मांग की है। लोगों में दहशत का माहौल है, क्योंकि यह इलाका बाघों की नियमित आवाजाही वाला क्षेत्र है और ऐसी घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं।वन विभाग ने भी मामले की पुष्टि की है और बताया है कि बाघ का व्यवहार स्वाभाविक था क्योंकि मवेशियों के साथ जंगल में इंसानी उपस्थिति बाघ को उकसाने का कारण बन सकती है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सावधानी बरतें और बिना सूचना के कोर क्षेत्र की ओर न जाएं। फिलहाल पार्क प्रबंधन घायल युवक के इलाज में सहायता कर रहा है और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। वन विभाग यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर हुई सामुहिक परिचर्चा

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय समाज कार्य विभाग प्रोफेसर नीलिमा खरे के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर सामुहिक परिचर्चा की गई। परिचर्चा के दौरान परिवार की अवधारणा और महत्व, बदलते समय में परिवार की संरचना, परिवार से जुड़ी समकालीन समस्याएं, एकल एवं संयुक्त परिवार की वर्तमान स्थिति, सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका, सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी, समाधान और सशक्तिकरण के उपाय आदि विषयों को शामिल करते हुए निष्कर्ष तक पहुंचाने का प्रयास विद्यार्थियों द्वारा किया गया। परिवार बिना जीवन संभव नहीं है। व्यक्ति को जीवन के हर पड़ाव पर परिवार की जरूरत होती है। ऐसे में परिवार के प्रति लोगों में चेतना लाने के लिए हर साल 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय

परिवार दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1994 में पहली बार अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया गया। इंटरनेशनल फैमिली डे की शुरुआत 1989 में हुई थी। इस दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में पहली बार परिवार के महत्व पर चर्चा की गई। 1993 में यूएनजीए ने एक संकल्प में फैमिली डे के लिए 15 मई की तारीख तय की। 1994 को अंतरराष्ट्रीय परिवार वर्ष के रूप में घोषित किया था।विश्व परिवार दिवस भारतीय संस्कृति में परिवार न केवल समाज की मौलिक ईकाई है, बल्कि यह हमारी अहम पहचान भी है। राष्ट्र की प्रगति की मूल परिवार की उन्नति में समाया हुआ है। आजकल हर व्यक्ति मोबाइल या गैजेट्स में व्यस्त है, परिवार साथ होते हुए भी मानसिक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इस दिवस के जरिए यह प्रयास किया जाता है कि तकनीक का इस्तेमाल रिश्तों को तोडने के बजाय जोडने के लिए हो। जैसे कि परिवारिक व्हाट्सएप ग्रुप्स, वीडियो कॉल्स, और डिजिटल फैमिली टाइम। परिवार दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने बुजुर्गों को उतना सम्मान और समय दे रहे हैं जितने के वे हकदार हैं? दादा-दादी, नाना-नानी का अनुभव, कहानियाँ और संस्कार किसी भी बच्चे के लिए अमूल्य होते हैं, जिन्हें संरक्षित रखना बेहद जरूरी है। आज समाज में परिवार का मतलब सिर्फ माँ-पिता और बच्चे नहीं रह गया है। सिंगल पैरेंट फैमिली, ग्रैंडपेरेंट्स केयर, दत्तक परिवार आदि भी समाज में स्वीकार्यता पा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस इन सभी पारिवारिक संरचनाओं को समान महत्व देता है। भारतीय समाज में परिवार को हमेशा एक पवित्र संस्था के रूप में देखा गया है। यहां परिवार केवल एक बंधन नहीं बल्कि धर्म, कर्तव्य और परंपरा है। संयुक्त परिवारों की परंपरा आज भी गाँवों और छोटे शहरों में जीवित है और यही हमारी सामाजिक जड़ों को मजबूती देती है विशिष्ट चर्चा की गई। उस दौरान विजिटिंग फैकल्टी नितिन गर्ग, अर्पित दुबे एवं एम.एस.डब्लू द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र शिवम रजक, निधि सिंह, रेशमी नामदेव, कोमल द्विवेदी ,टीकबती बैगा ,भारती, किशन बैगा, पंकज सिंह आदि की सहभागिता रही।

राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के शीघ्र करें निराकरण: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आयुक्त के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे विशेष राजस्व अभियान की समीक्षा की तथा संबंधित राजस्व अधिकारियों को उनके न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से 20 अप्रैल से 13 मई तक जिले में राजस्व से संबंधित 5251 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। जिसमें नामांतरण के 1921 प्रकरण, बटवारा के 257 प्रकरण, सीमांकन के 1476 प्रकरण, अभिलेख दुरूस्ती के 213 प्रकरण, डायवर्सन के 281 प्रकरण तथा नक्शा तरमीम के 674 प्रकरण एवं धारणाधिकार के 429 प्रकरण शामिल हैं। कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों को उनके न्यायालयों में लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, डायवर्सन, नक्शा तरमीम के प्रकरणों की जानकारी दी तथा निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

11 केव्ही अनूपपुर शहर फीडर में आज व कल विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि उपसंभाग अनूपपुर अंतर्गत वितरण केन्द्र अनूपपुर (शहर) के 11 के.व्ही. टाउन फीडर का रेलवे ओव्हर ब्रिज अनूपपुर के पास लाइन मेन्टेनेंस एवं लाइन चार्ज का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु 17 व 18 मई को 11 के.व्ही. अनूपपुर शहर फीडर से संबंधित समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां प्रातः 7:30 बजे से प्रातः 8:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ की टीम ने दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में नागरिक सुरक्षा के तहत शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में गुरूवार को होमगार्ड एवं एस.डी.ई.आर.एफ. की टीम द्वारा सिविल डिफेन्स वालेन्टियर्स को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान नागरिक सुरक्षा एवं 12 सेवाएं, हवाई हमले चेतावनी एवं सायरन व ब्लैक आउट के दौरान की कार्यवाही, अग्नि आपदा तथा प्रथमोपचार के अंतर्गत सीपीआर, पट्टी ड्रेसिंग आदि के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को मॉक ड्रिल अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर होमगार्ड जिला सेनानी अजय सिंह कश्यप, प्लाटून कमाण्डर रामनरेश भवेदी, प्राचार्य शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर डॉ. अनिल सक्सेना, एस. डी. ई. आर. एफ. की टीम के सदस्य, महाविद्यालय के स्टॉफ, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

नारद जयंती आज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर जमुना कोतमा क्षेत्रीय पत्रकार संघ द्वारा आज शाम 5 बजे बंकिम बिहार, जमुना कॉलोनी में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष चंदन केवट एवं संयोजक भगवानदास मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

सख्त हैं नियम पर नहीं हो रहा पालन, खतरे से खाली नहीं सफर

नियमों को ठेंगा दिखा मालवाहक वाहन पर ढो रहे सवारियां

दिखावे तक सीमित जिम्मेदारों की कार्यवाही, बड़े हादसे का इंतजार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले भर में माल वाहक वाहनों का सवारी वाहनों के रूप में इस्तेमाल खुले आम किया जा रहा है। अतिरिक्त कमाई के लालच में पिकअप ट्रैक्टर व छोटे हाथी जैसे माल वाहक वाहनों में यात्रियों को भेड़-बकरियों की तरह बैठाते हुए यातायात नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं। इससे कभी भी बडी गंभीर घटना घटित हो सकती है। नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र में धड़ल्ले से माल वाहक वाहन भी सवारी ढोते नजर आ रहे हैं। जबकि माल वाहक वाहनों में यात्रियों का सफर खतरे से खाली नहीं होता। आलम यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर लोग माल वाहक वाहनों में ही बारात लाने ले जाने के लिए बुक कर लेते हैं और एक वाहन में आधा सैकड़ा से अधिक लोग सवार होकर बारात के लिए रवाना हो जाते हैं। माल वाहक वाहनों में यात्रियों को लाना ले जाना मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है, क्योंकि माल वाहक वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर जनहानि की ज्यादा संभावनाएं रहती हैं, बावजूद इसके नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में माल वाहक वाहनों से बारात लाने ले जाने की लापरवाही लगातार की जा रही है। ऐसे वाहन संचालकों का कार्यवाही का जिम्मा उठाने वाले जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बने हुए हैं।

माल वाहनों में ठसाठस लोग

उल्लेखनीय है कि इन दिनों शादी विवाह के सीजन का दौर चल रहा है, ऐसे में यदि मुख्य मार्गों के साथ ही क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों के मार्गों का नजारा देखा जाए तो कई ऐसे बारात सहज ही दिख जाती हैं जो माल वाहक वाहनों में सफर करती हैं। एक माल वाहक वाहन की ट्राली में आधा सैकड़ा लोग ठूंस-ठूंस कर भरे रहते हैं और ट्राली में खड़े होकर ही सफर करते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। जिस तरह से माल वाहक वाहनों में सफर किया जा रहा है उससे कभी भी गंभीर हादसों की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

यात्री वाहन की जगह माल वाहक वाहन क्यों

बारात लाने ले जाने के लिए यात्री वाहन की जगह माल वाहन बुक करने को लेकर लोगों ने बताया कि ग्रामीण अंचलों में माल वाहक वाहन सरलता से उपलब्ध हो जाते हैं। इसके साथ ही यात्री वाहनों की अपेक्षा माल वाहक वाहन सस्ते में उपलब्ध हो जाते हैं, यात्री वाहन चाहे वह बस या मिनी बस हो या फिर चार पहिया वाहन इनका किराया विवाह सीजन के दौरान वाहन मालिकों द्वारा सामान्य दिनों की अपेक्षा करीब दो गुना कर दिया जाता है, जिससे ऐसे वाहनों की बुकिंग कर पाना आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बजट के बाहर हो जाता है, लिहाजा वह माल वाहक वाहनों को ही बारात के लिए बुक कर लेते हैं।

माल वाहक वाहनों में ज्यादा सफर

ग्रामीण अंचलों में ट्रैक्टर, यूटिलिटी, मिनी ट्रक 407 लगभग हर गांव में उपलब्ध होते हैं, जो नजदीक की बारातों के लिए आसानी से सस्ते दर पर उपलब्ध हो जाते हैं, लिहाजा बारात के लिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवार ज्यादातर इन्ही वाहनों को बारातियों को लाने ले जाने के लिए बुक करते हैं। इन वाहनों की ट्राली में करीब आधा सैकड़ा लोग सवार हो जाते हैं।

सख्त हैं नियम, पर नहीं हो रहा पालन

मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मालवाहक वाहनों को सिर्फ सामान ढोने के लिए ही प्रयोग में लाया जा सकता है। सवारियां लाना,ले जाना गैर-कानूनी है। बावजूद इसके नियमों का उल्लंघन खुलेआम किया जा रहा है। पुलिस को मालवाहक वाहनों में यात्रियों को ढोने के मामले में एमवी एक्ट की धारा-184 और 192ए के तहत सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

पूर्व में हो चुके हैं हादसे

मालवाहक वाहनों एवं ट्रैक्टर ट्रालियों में सवारियां ढोने के कारण कई बड़े हादसे हो चुके हैं। कुछ समय पहले भालूमाडा थाना अंतर्गत पडौर गांव में एक पिकअप वाहन मे लगभग 2 दर्जन से ऊपर महिलाएं बच्चों में पुरुषों को बैठाकर निजी कार्यक्रम में ले जाया जा रहा था वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया था जिससे कई लोगों को गंभीर चोट आई थी और मौके पर पुलिस अधीक्षक भी पहुंच गए थे जिन्हें उपचार के लिए गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय भेजा गया था, लेकिन इसके बावजूद भी जिम्मेदार ऐसे वाहनों पर कार्यवाही करने से क्यों गुरेज कर रहे हैं। समझ से परे है। वर्तमान में यातायात विभाग के द्वारा हाईवे में तो वाहनों की चेकिंग की जाती है लेकिन वह मात्र दिखावे के लिए एक वसूली का जरिया बनकर रह गया है। जबकि पुलिस अधीक्षक को अभियान चलाकर ऐसे वाहनों पर सख्त कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश जिले के प्रत्येक थानों में देने चाहिए। ना तो परिवहन विभाग और न ही पुलिस विभाग कार्यवाही कर रहा है क्या कोई बड़ी दुर्घटना का जिला प्रशासन को इंतजार है तभी ऐसे वाहनों पर अभियान चलाकर कार्यवाही की जाएगी।

परिक्रमावासी धर्मशाला अव्यवस्था का शिकार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के दक्षिण तट में बने परिक्रमावासियों ठहरने का एकमात्र आश्रय धर्मशाला इस समय अव्यवस्था का शिकार है परिक्रमा वासियों का यह एकमात्र धर्मशाला दुर्दशा का पर्याय बन चुका है। दक्षिण तट पर बने परिक्रमावासी धर्मशाला की लंबे समय से मरम्मत सुधार एवं उसकी साफ सफाई रंग रोगन न किए जाने से उक्त भवन अपनी दुर्दशा की आंसू बहा रहा है। उल्लेखनीय है कि पवित्र नगरी अमरकंटक में पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा नदी के दक्षिणी तट में नर्मदा परिक्रमा वासियों के माई की बगिया से प्रस्थान के बाद एकमात्र आश्रय धर्मशाला है उक्त भवन का निर्माण विंध्य विकास प्राधिकरण रीवा से प्राप्त राशि से लगभग 12 वर्षों पूर्व कराया गया था। उक्त भवन में लगभग 20 लाख रुपए की राशि व्यय कर निर्मित किया गया तब से लेकर आज दिनांक तक उक्त भवन आवश्यक सुधार मरम्मत तथा साफ सफाई रंग रोगन आदि नहीं कराया जा सका। इस कारण उक्त भवन में कोई भी यात्री भक्त श्रद्धालु दर्शनार्थी यहां रुकने से डरते है। भय लगता है। परिक्रमा वास धर्मशाला की देखरेख का कार्य स्थानीय अमरकंटक विकास प्राधिकरण (विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) साडा अमरकंटक के द्वारा किया जाता है लेकिन उक्त भवन के हालात को कोई देखने वाला नहीं रहा फलस्वरुप परिक्रमावासी धर्मशाला अब व्यवस्था का शिकार है। रीवा शहर से आए पटेल दंपति ने एवं रायपुर से आए देवांगन परिवार ने कहा कि उक्त भवन की साफ सफाई देख-रेख ना होने से रहने से डर लगता है आसपास जंगली जीव जंतुओं के आने का डर है इसी तरह रायसेन जिले से 10-12 के जत्था में आए परिक्रमावासी ने कहा कि यहां कोई नहीं रहता हम किससे संपर्क करें यहां साफ सफाई नहीं है। ऐसे में कैसे रहेंगे। परिक्रमा वासियों के नाम पर बनाया गया है लेकिन देखरेख ठीक व्यवस्था नहीं है। नगर परिषद अमरकंटक के पूर्व अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रज्जू सिंह नेताम ने कहा कि अमरकंटक विंध्य विकास प्राधिकरण प्रशासन जिला प्रशासन कलेक्टर हर्षल पंचोली तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्राधिकरण सुधाकर सिंह बघेल से तत्संबंध में भवन का निरीक्षण करा परिक्रमावासी भवन का तत्काल सुधार मरम्मत करा साफ सफाई एवं रंग रोगन करने की मांग की है ताकि परिक्रमावासी एवं पर्यटक भक्ति श्रद्धालु गण उसमें आश्रय पा सके उन्हें भटकना न पड़े तथा उक्त धर्मशाला में स्थाई कर्मचारी नियुक्त करें ताकि किसी भी समय यात्री आकर रूक सके।

ग्रामीणों को विकास योजनाओं का इंतजार, जनता परेशान, अधिकारी बेपरवाह

ग्राम पंचायत सेमरा में 'विलुप्त' हुये सचिव

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। जिले की ग्राम पंचायत सेमरा में प्रशासनिक लापरवाही चरम पर है। यहां के पंचायत सचिव महीनों से पंचायत कार्यालय से नदारद हैं। गांव के लोगों के लिए सचिव साहब का दीदार करना किसी 'व्हाइट टाइगर' को देखने जैसा दुर्लभ अनुभव बन चुका है। ग्रामवासी लंबे समय से सचिव की अनुपस्थिति के कारण शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। ग्रामीणों का कहना है, कि सचिव न तो समय पर पंचायत कार्यालय आते हैं, और न ही फोन कॉल का जवाब देते हैं। एक बार फोन उठाने के बाद वह दोबारा कॉल रिसीव नहीं करते। क्योंकि उन्हें पता होता है, कि अब ग्रामीण अपने हक की बात करेंगे। सवाल यह है, कि क्या सचिव को उच्च अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई?

सहायक सचिव की चुप्पी पर भी सवाल

जब कभी कोई, ग्राम वासी, हितग्राही या पत्रकार सचिव से संपर्क करता है तो जवाब मिलता है मैं अभी जनपद कार्यालय की मीटिंग में हूं। हैरानी की बात है, कि सचिव साहब पंचायत से ज्यादा जनपद कार्यालय में अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। क्या वास्तव में इतनी लगातार मीटिंग्स होती हैं, या यह सिर्फ कार्यालय न आने का बहाना है? सचिव की गैरमौजूदगी में सहायक सचिव से उम्मीद थी। कि वे कम से कम जनता की बात सुनें और आवेदन रिसीव करें। लेकिन सहायक सचिव सिर्फ कार्यालय में मौजूद रहते हैं, काम करने से बचते हैं। आवेदन लेने के नाम पर सचिव का हवाला दे देते हैं। चर्चा है कि सहायक सचिव साहब वर्षों से सेमरा पंचायत में पदस्थ हैं और हर भ्रष्टाचार में उनकी भूमिका अहम रही है। शायद यही कारण है कि वे भी शिकायतों पर आंख मूंदे बैठे हैं। गांव के लोगों ने मांग की है, कि इस लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये पर कड़ी कार्रवाई की जाए। पंचायत कार्यालय की नियमित जांच हो, सचिव की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और सहायक सचिव की भूमिका की भी गहन जांच हो। क्या ग्राम पंचायत सेमरा में जनता को उनका हक मिलेगा या फिर सचिव-सहायक सचिव की जोड़ी यूं ही 'मलाई' खाती रहेगी? यह सवाल अब अनूपपुर जिले की प्रशासनिक ईमानदारी पर खड़ा है।

इनका कहना है

मैं जनपद पंचायत के सीईओ को बोलता हूं।

तन्मय वशिष्ठ शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत अनूपपुर

स्मार्ट मीटर की स्मार्टनेस पर सवाल

स्मार्ट मीटर न लगाने समाजसेवी जितेंद्र सिंह के पत्र को मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। आदिवासी बाहुल्य अनूपपुर जिले की बहुतायत आबादी आज भी गरीब व मध्यम वर्ग के अंतर्गत आते हुए अपना जीवकोपार्जन कर रही है, लगातार विभिन्न प्रकार के उत्पादों में बढ़ते कर उसे कमजोर करते चले जा रहे हैं, और जिले में जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर लगे पहले चरण में ही उनकी स्मार्टनेस ने उपभोक्ताओं को करारा झटका देना शुरू कर दिया, जिसकी शिकायतें विद्युत विभाग के समक्ष प्रमाण हैं। परेशान बिजली उपभोक्ताओं की आवाज बनकर स्मार्ट मीटर की स्मार्टनेस पर सवाल खड़ा करते हुए जिले के वरिष्ठ समाजसेवी व शिक्षाविद जितेंद्र सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को संबोधित पत्र लिखते स्मार्ट मीटर आदिवासी बाहुल्य अनूपपुर जिले में न लगाए जाने का आग्रह किया। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से पूरे मामले को लेकर सामने आए पत्र के बाद कुछ राहत मिलने की उम्मीद जगती दिखाई पड़ रही है, स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली उपभोक्ता किस तरह से परेशान हैं यह प्रदेश के अन्य जिलों व देश के अन्य प्रदेशों से सामने आ रही खबरें स्पष्ट कर रही हैं।

विरोध के बाद भी लगाये स्मार्ट मीटर

जिले के कई विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत स्मार्ट मीटर लगाने का कुछ कार्य हुआ उसके प्रथम माह की बिलिंग्स ने उपभोक्ताओं को भौचक्का कर दिया, इसके बाद लोगों ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध शुरू किया लेकिन उनके विरोध की आवाज से अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ा और स्मार्ट मीटर लगाए जाने का कार्य जारी रहा जिसका लिखित तौर पर विरोध करते हुए स्मार्ट मीटर ना लगाए जाने की आवाज जिले के वरिष्ठ समाजसेवी व शिक्षाविद जितेंद्र सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री तक पहुंचाई, जिस पर यथा उचित कार्यवाही करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराने विभाग को निर्देश दिए गए हैं।विद्युत वितरण केंद्र चचाई अंतर्गत आने वाले दर्जनों स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं ने शिकायत देते हुए बताया कि जब उनके यहां स्मार्ट मीटर नहीं लगा था तब उनका बिल 500 से 600 रूपये के आसपास जुलाई अगस्त माह में आता था और स्मार्ट मीटर लगने के बाद वही बिल 2800 रुपए से लेकर 3 हजार तक पहुंच गया, ऐसे में स्पष्ट हो गया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली का बिल अधिक आने लगा है। यही कारण है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने का बिजली उपभोक्ता विरोध कर रहे हैं। कुल मिलाकर स्मार्ट मीटर के स्मार्टनेस पर सवालिया निशान लगने लगा है।जिले के वरिष्ठ समाजसेवी व शिक्षाविद जितेंद्र सिंह ने अपने लिखे पत्र में साफ शब्दों में उल्लेखित किया कि स्मार्ट मीटर से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के भोले-भाले विद्युत उपभोक्ता स्मार्ट मीटर के आने वाले बिल को लेकर भयभीत हैं एवं शंका जाहिर कर रहे हैं कि हम गरीब और मध्यमवर्गीय लोगों के लिये स्मार्ट मीटर का बिल आर्थिक क्षति का पर्याय तो नहीं? विद्युत उपभोक्ताओं के यहां लगा इलेक्ट्रानिक मीटर जो गुणवत्ता से परिपूर्ण है तथा उपभोक्ता भी इस इलेक्ट्रानिक मीटर के बिल से संतुष्ट था तथा विभाग के मानक मापदण्डो के आधार पर इलेक्ट्रानिक मीटर सफल है। तो स्मार्ट मीटर की आवश्यकता यहां क्यों?

नवीन मोबाईल एप्लीकेशन व पोर्टल एवं अपराधों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। 16 मई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना व चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई।पुलिस अधीक्षक के द्वारा मुख्यतः जिले के लंबित एससी/एसटी के लंबित अपराधों / एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों के निकाल एवं इन्वेन्ट्री तैयार करने। लम्बित मर्ग/लंबित गुम इंसान एवं धारा 137(2) बीएनएस के लंबित प्रकरणों/माईनर एक्ट/प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की तुलनात्मक समीक्षा/ CEIR Portal पर दर्ज गुम मोबाईल संबंधी शिकायतों, रिकवर मोबाइलों की समीक्षा, eSakshya App, eRakshak App, eVivechna App, eProsecution Portal पर की जाने वाली कार्यवाही की समीक्षा, जिला बदर, अवैध रेत उत्खनन के प्रकरणों व बलात्संग के 50 दिन से उपर के प्रकरणों की थानावार समीक्षा कर त्वरित कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिये गये ।पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा विकसित Sakshya Mobile Application के महत्व एवं

उपयोगिता के बारे में बताया कि यह ऐप पुलिस को आपराधिक मामलों में साक्ष्य रिकार्ड करने और प्रबंधित करने में मदद करता है। इस ऐप के माध्यम से साक्ष्यों और गवाहों के वीडियो और फोटो वास्तविक समय में प्राप्त किये जा सकते हैं, यह ऐप पुलिस को सीधे अपने फोन से तलाशी और जब्ती सहित अपराध स्थलों को रिकार्ड करने की सुविधा देता है। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों को प्रारंभिक तौर पर माईनर एक्ट के अपराधों में इस ऐप का उपयोग शत-प्रतिशत करने व इनवेस्टिगेशन आफीसर की आई डी. से एफआईआर ऐप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार eRakshak Application के संबन्ध में पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया कि इस ऐप के माध्यम से न्यायालय से ऑन लाईन प्राप्त होने वाले समन, वारण्टों की तामीली ऐप के माध्यम से कराने व इस ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करने व थाना प्रभारियों को प्रतिदिन अपने मोबाईल में ई-रक्षक ऐप के माध्यम से प्राप्त समन वारण्टों की स्थिति चेक करने व तामीली सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा Prosecution Portal के संबन्ध थाना प्रभारियों को अपराधिक प्रकरणों में लोक अभियोजन अधिकारी से चाहे जाने वाले अभिमत पोर्टल के माध्यम से ही प्राप्त करने के निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा ट्राफिक मित्र योजना के अंतर्गत यातायात प्रभारी को अधिक से अधिक ग्रामों में ट्राफिक चौपाल लगाकर ट्रैफिक मित्र बनाये जाने के निर्देश दिये गये। उक्त अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान, अति. पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मन्सूरी, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा, एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी, एन.एस. ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, (निज सचिव), श्रीमती ज्योति दुबे, रक्षित निरीक्षक अनूपपुर, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक, थाना प्रभारी चचाई निरी राकेश उईके, थाना प्रभारी जैतहरी निरी. अमर वर्मा, थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरी संजय खलखो, थाना प्रभारी बिजुरी निरी विकास सिंह, थाना प्रभारी करनपठार निरी. पी.सी. कोल, थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी बीरेन्द्र बरकडे, थाना प्रभारी अमरकंटक निरी लालबहादुर तिवारी, थाना प्रभारी रामनगर उनि सुमित कौशिक, चौकी प्रभारी देवहरा उनि रंगनाथ मिश्रा, चौकी प्रभारी सरई उनि मंगला दुबे एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के स्टॉफ उपस्थित रहे।

अधूरा सड़क निर्माण बना परेशानी का सबब

शिकायतों का भी नहीं हुआ असर, आश्वासन तक सीमित नपा की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 बंसी टोला के रहवासी आज भी सड़क के लिए परेशान हैं। नगर पालिका के द्वारा पूर्व में आधी अधूरी सड़क का निर्माण तो करवाया गया लेकिन पूरी तरह से सड़क का निर्माण नहीं होने के कारण आज भी वहां के रहवासी कच्चे रास्ते से आवागमन करने को मजबूर हैं। कई बार बंसी टोला के रहवासियों के द्वारा नगर पालिका प्रशासन के साथ ही सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज करवाई गई लेकिन नगर पालिका के द्वारा मात्र आश्वासन ही दिया जा रहा है। अधूरे सड़क का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं करवाया गया जिसके कारण रवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बंसी टोला के रहवासियों ने बताया कि 50 सालों से हम लोग कच्चे रास्ते से अपने घरों के लिए आना-जाना कर रहे हैं। ज्यादा परेशानी बरसात के दिनों में होती है कच्चा रास्ता होने के कारण बारिश का पानी भर जाता है रास्ते में कीचड़ ही कीचड़ हो जाता है जिसके कारण हमारे बच्चे भी स्कूल नहीं जा पाते हैं। बारिश के दिनों में रास्ते में जहरीले जीव जंतु के काटने का खतरा भी बना रहता है।

शिकायतों का भी नही हुआ असर पूर्व पार्षद देवशरण सिंह ने बताया कि नगर पालिका के द्वारा दो साल हो गए टेंडर जारी किए हुए लेकिन ठेकेदार के द्वारा अधूरी सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन आज तक आश्वासन ही मिल पाया सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज करवाई गई आधी अधूरी सड़क का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है जबकि सड़क के निविदा की समय सीमा भी समाप्त हो गई है, लेकिन ठेकेदार के द्वारा आज तक सड़क का निर्माण कार्य पूरा नहीं करवाया गया। बंसी टोला के रहवासियों ने जल्दी सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण करवाए जाने की मांग की है। रहवासियों ने बताया कि वर्तमान में नगर पालिका के द्वारा नगर मे कई विकास कार्य करने का दावा कर रही है लेकिन हमारे मोहल्ले मे अधूरी सड़क का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा करते हुए अधूरी सड़क छोड़ दिया है। आगामी माह से बारिश का मौसम शुरू होने वाली पहले यह कहा जाता था कि कुछ लोग सड़क निर्माण कार्य में आपत्ति कर रहे हैं लेकिन अब वह लोग भी अपनी सहमति दे चुके हैं अब तो सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाए जिससे बारिश के मौसम मे हम लोग परेशान से बच सके। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ एवं सीएमओ प्रदीप झारिया से अधूरे सड़क का निर्माण कार्य करवाए जाने की मांग की गई है।